

पस ही ओ रीटर

86  
18

परावनी कोश कोर में पेश हुई। दवाइया की पालग  
की जा चुकी है। जमातेक परावनी स्रेष की जाती है।  
परावनी प्रिसन सुगम होकर गमवर हो पात से तथा  
एर. (समाजीक) लेख गमवर है।

ॐ